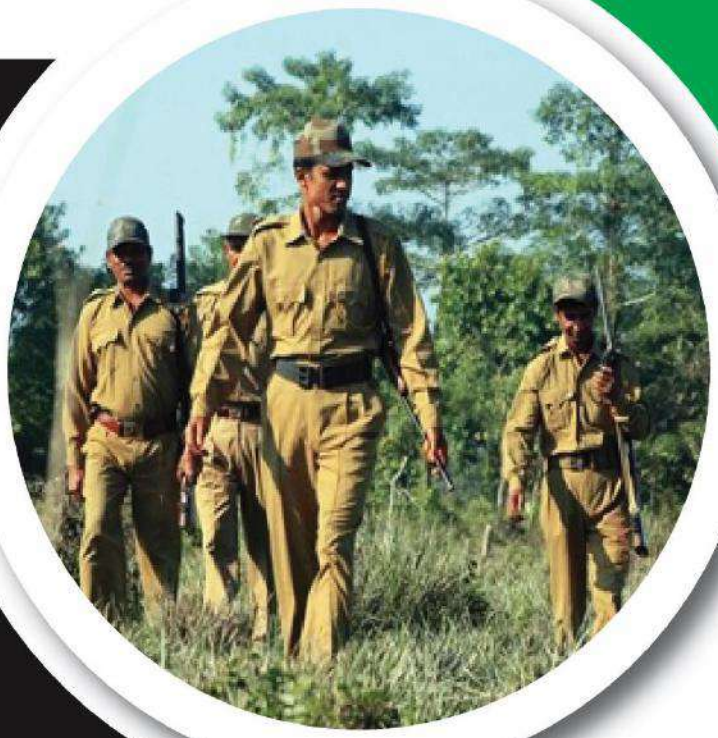
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

HANDWRITTEN NOTES



राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक

RSSB

भाग-2 सामान्य अध्ययन (GK) (भारत) + विविध + विज्ञान

NEW EDITION 2026

whatsapp- https://wa.link/8842rw_1 website- https://bit.ly/vanpal-vanrakshak-notes

सामान्य अध्ययन (भारत)

वन लाइनर (gk)

1. भारत का इतिहास
2. भारतीय संविधान
3. भारत का भूगोल
4. पारिस्थितिकी, वन्य जीव एवं जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन

- विविध के टॉपिक

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

(सामान्य विज्ञान)

भौतिक विज्ञान

1. भौतिक विज्ञान के विषय
2. यांत्रिकी
3. गुरुत्वाकर्षण
4. ध्वनि
5. प्रकाशिकी

6. ऊष्मा

7. विद्युत एवं विद्युत धारा

8. चालकता एवं चुंबकत्व

9. परमाणु भौतिकी

रसायन विज्ञान

1. पदार्थ एवं इसकी अवस्थाएँ

2. परमाणु संरचना

3. गैसों का आचरण

4. तत्वों का आवर्ती वर्गीकरण

5. धातु, अधातु एवं उपधातु

6. रासायनिक आबंध एवं रासायनिक अभिक्रिया

7. अम्ल, क्षार और लवण

8. विलयन

9. कार्बन और इसके यौगिक

10. ईंधन

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

जीव विज्ञान

1. कोशिका
2. ऊतक
3. मानव शरीर के तंत्र
   - पाचन तंत्र (Digestive system)
   - श्वसन तंत्र (Respiratory system)
   - उत्सर्जन तंत्र (Excretory system)
   - तंत्रिका तंत्र (Nervous system)
   - परिसंचरण तंत्र (Circulatory system)
   - कंकाल तंत्र (Skeleton system)
   - प्रजनन तंत्र (Reproductive system) इत्यादि
4. आहार एवं पोषण
5. स्वास्थ्य देखभाल एवं मानव रोग

वन लाइनर (GK)

अध्याय – I

इतिहास

1. सिंधु घाटी सभ्यता के शहरों की गलियां चौड़ी और सीधी थीं ।
2. हड़प्पा और मोहनजोदड़ो के खंडहर रावी और सिंधु नदी के तट पर पाए गए थे ।
3. सिंधु घाटी सभ्यता की लिपि अज्ञात थी ।
4. बिना दुर्ग के एक मात्र सिंधु नगर चन्हुदड़ो था ।
5. मोहनजोदड़ो में सबसे बड़ा भवन धान्यागार / अन्नागार / अन्नकोठर है ।
6. विशाल स्नानागार (ग्रेट बाथ) मोहनजोदड़ो में मिला था ।
7. सिंधु घाटी के लोगों की एक महत्वपूर्ण रचना नृत्य करती बालिका की मूर्ति थी ।
8. सिंधु घाटी सभ्यता के साथ देवी माता की पूजा संबंधित थी ।
9. सिंधु घाटी सभ्यता का पतन नगर (बंदरगाह) लोथल था ।
10. लोथल नामक स्थान पर, निम्नोक्त सभ्यताओं में से सिंधु घाटी जहाजी मालघाट था ।
11. सिंधु अर्थव्यवस्था की ताकत कृषि थी ।
12. सिंधु सभ्यता के टेराकोटा में गाय पातलू जानवर विद्यमान नहीं था ।
13. देवी माता की पूजा सिंधु घाटी सभ्यता के साथ संबंधित थीं
14. वैदिक आर्यों का प्रमुख भोजन दूध और इससे बने उत्पाद थे ।
15. जौ (यव) मनुष्य द्वारा सबसे पहले प्रयोग होने वाला अन्न था ।
16. वैदिक लोगों द्वारा तांबा (ताम्र) धातु का प्रयोग पहले किया गया था ।
17. 'वेद' शब्द का अर्थ ज्ञान है ।
18. आर्य, आर्य-पूर्वों के साथ अपने संघर्षों में सफल रहे क्यूंकि उन्होंने घोड़ों द्वारा चलाए जा रहे रथों का प्रयोग किया।
19. आरंभिक वैदिक काल में पूर्ण व्यवस्था व्यवसाय पर आधरित थी ।
20. 'आर्यों' को एक जाति कहने वाला पहला यूरोपियन विद्वान मैक्समूलर था ।

FREE SAMPLE

21.आर्यन जनजातियों की प्राचीनतम बस्ती सप्त सिंधु है ।

22. समिति और सभा सामान्य रूप से जनजातीय सरदार (मुखिया) के चुनाव में शामिल होती थी ।

23. वैदिक युग में राजा अपनी जनता से जो कर वसूल करते थे, उसे बलि कहते थे ।

24. प्रसिद्ध 'गायत्री मंत्र' ऋग्वेद से लिया गया था।

25. भारतीय प्रतीक पर उत्कीर्ण 'सत्यमेव जयते' मुण्डकोपनिषद् से लिया गया था।

26. गार्गी विदुषी ने, वाद-विवाद में अजेय याज्ञवल्क्य को चुनौती दी थी।

27. गौतम बुद्ध का जन्म-स्थान लुम्बिनी था ।

28.गौतम बुद्ध का जन्म स्थान अशोक मौर्य का रूम्मिनदेई स्तंभ द्वारा अंकित किया जाता है ।

29. बुद्ध शाक्य वंश से संबंधित थे ।

30. प्रथम बुद्ध परिषद् राजगृह आयोजित की गई थी।

31.पांचवी बौद्ध परिषद् का आयोजन हर्ष द्वारा किया था ।

32.'बुद्ध' का अर्थ ज्ञान प्राप्ति है

33.बौद्ध धर्म ने समाज के दो .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी

167. तराइन की दूसरी लड़ाई में पृथ्वीराज को मुहम्मद गोरी पराजित किया था।

168. पृथ्वीराज चैहान को मुहम्मद गोरी ने तराइन, 1192 ई. में युद्ध में हराया था।

169. तराइन की दूसरी लड़ाई ने मुहम्मद गोरी के लिए दिल्ली का क्षेत्र खोल दियाथा।

170. दिल्ली सुल्तान का शासक 1206 ईस्वी. में प्रारंभ हुआ।

171. अजमेर में अढ़ाई दिन का झोपड़ा कुतुबुद्दीन ऐबक ने बनवाया था।

172. कुतुबमीनार का निर्माण इल्तुतमिश ने पूरा किया था।

173. दिल्ली के सुल्तान का पद संभालने से पहले बलबन नासिरूद्दीन सुल्तान का प्रधानमंत्री था।

174. दिल्ली सल्तनत का उद्धारक इल्तुतमिश था।

175. नियमित मुद्रा जारी करने वाला और दिल्ली को अपने साम्राज्य की राजधनी घोषित करने वाला दिल्ली का प्रथम सुल्तान इल्तुतमिश था।

176. चंगेज खान ने जलालुद्दीन का पीछा करते हुए, इल्तुतमिश के शासनकाल में भारत की सीमाओं पर आक्रमण किया था।

177. प्रसिद्ध फारसी त्योहार नौरोज का प्रवर्तन बलबन ने किया।

178. चहलगनी या पफोर्टी के रूप में विख्यात टर्की सामंतों की शक्ति को भंग करने वाला बलबन प्रथम दिल्ली सुल्तान था।

179. रजिया सुल्तान अल्तमश (इल्तुतमिश) की बेटी थीं।

180. वे दो वंश गुलाम तथा तुगलक थे, जिन्होंने खिलजी शासकों से तत्काल पहले और बाद में शासन किया था।

181. दिल्ली के खिलजी सुल्तान तुर्क थे।

182. स्वयं को दूसरा सिकंदर (सिकंदर-ए-सानी) कहने वाला सुल्तान अलाउद्दीन खिलजी था ।

सल्तनत वंश की विशालतम स्थायी सेना, जिसका भुगतान सीधा राज्य द्वारा किया जाता था अलाउद्दीन खिलजी ने .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

Contact: +91 9887809083

FREE SAMPLE

475. महात्मा गांधी द्वारा सविनय अवज्ञा आंदोलन वर्ष 1930 में शुरू किया गया था।

476. 'नमक सत्याग्रह' सन 1930 में प्रारंभ हुआ था।

477. गांधीजी का 'दांडी (डांडी) मार्च' सविनय अवज्ञा आंदोलन का हिस्सा था।

478. नमक कानून के उल्लंघन में गांधी जी ने एक आंदोलन शुरू किया था, जिसका नाम सविनय अवज्ञा आंदोलन था ।

479. 'पूर्ण स्वराज्य' की शपथ कांग्रेस के लाहौर अधिवेशन में ली गई थी।

480. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के लाहौर सत्र में पूर्ण स्वराज्य की घोषणा की गई थी ।

481. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के 1929 में लाहौर सत्र में 'पूर्ण स्वराज' प्रस्ताव स्वीकार किया गया ।

482. 1932 ई. में अखिल भारतीय हरिजन संघ की स्थापना महात्मा गांधी की थी।

483. स्वतंत्र भारत के प्रथम लोकसभा अध्यक्ष जी.वी. मावलंकर थे।

484. सर्वोदय और भूदान आंदोलन से आचार्य विनोबा भावे संबद्ध हैं।

485. 'सर्वोदय' की अवधरणा के संस्थापक महात्मा गांधी थे।

486. जहां कानून नहीं, वहां स्वतंत्रता नहीं यह जॉन-लॉक ने कहा था।

487. सुधरा आन्दोलन पोप के प्रभुत्व के खिलाफ विद्रोह हैं।

488. फासिस्टवाद की विचाधारा इटली देश में विकसित .....

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

Contact: +91 9887809083

अध्याय – 2

भारतीय संविधान

1. 'यूनाइटेड नेशन्स' शब्द रूजवेल्ट ने गढ़ा था ।
2. 'मेन काम्फ' का लेखक हिटलर था।
3. राज सिंहासन पर बैठने वाला सबसे अधिक आयु का ब्रिटिश राजा/रानी क्वीन मैरी ट्यूडर था।
4. शासन की एकात्मक पद्धति का लाभ दृढ राज्य है।
5. जिस संविधान सभा द्वारा भारत के संविधान का अधिनियमन किया गया, उसके सदस्य विभिन्न प्रांतों की विधानसभाओं द्वारा निर्वाचित सदस्य थे ।
6. भारत की अंतकालीन संसद में 296 सदस्य थे।
7. प्रथम केंद्रीय विधान सभा का गठन 1921 किया गया था।
8. भारत की संविधान सभा कैबिनेट मिशन प्लान कहने पर बनाई गई थी।
9. भारत की संविधान सभा का अध्यक्ष डॉ. राजेन्द्र प्रसाद था ।
10. संविधान के अंतर्गत, भारतीय लोकतंत्र के आदर्शों को हम प्रस्तावना में देख सकते हैं।
11. लोकप्रिय प्रभुसत्ता जनता के प्रतिनिधि का प्रभुत्व है ।
12. भारत में पूर्ण संप्रभु लोकतांत्रिक गणतंत्र 26 नवंबर, 1949 में बना था ।
13. संविधान की उद्देशिका (प्रस्तावना) का संशोधन एक बार किया गया था।
14. हमारे संविधान की प्रस्तावना में वयस्क मताधिकार का उल्लेख नहीं है ।
15. संविधान के निर्माताओं के मनोभाव और आदर्श उद्देशिका में प्रतिबिंबित होते हैं ।
16. भारत के संविधान में 'संघीय' शब्द का प्रयोग संविधान में कहीं पर नहीं हुआ है ।
17. भारत के संविधान में भारत को राज्यों का संघ रूप में वर्णित किया गया है।
18. भारतीय संविधान के अनुच्छेद 1 में यह घोषणा की गई है कि इंडिया अर्थात् भारत राज्यों का संघ..... है।
19. संविधान के अनुच्छेद 1 में भारत को राज्यों का संघ कहा गया है।

FREE SAMPLE

302. वर्ष 1977 में, अशोक मेहता की अध्यक्षता के अंतर्गत, पंचायत राज की जांच करने के लिए एक सरकारी समिति नियुक्त की गई।

303. सरकारिया आयोग समिति/आयोग ने केंद्र और राज्य संबंध की जांच की।

304. पंचायती राज प्रणाली पहले आंध्र प्रदेश और राजस्थान दो राज्यों में लागू की गई थी।

305. राजस्थान पहला राज्य है जिसने स्थानीय स्वशासन प्रारंभ किया।

306. लोकतंत्रीय विकेंद्रीकरण का आशय स्थानीय सरकारहै।

307. स्थानीय स्वशासन संस्था से निर्वाचित पदधार कों को हटाने का प्रत्याह्वान प्रावधान मध्य प्रदेश द्वारा लागू किया गया था।

308. गांधीजी ने यह कहा है कि कोई भी राजनीति धर्म से रहित नहीं है।

309. संघ लोक सेवा आयोग को, रिपोर्ट राष्ट्रपति को प्रस्तुत करनी होती है।

310. अल्पसंख्यकों के लिए राष्ट्रीय आयोग वर्ष 1992 में बनाया गया था।

भारतीय संविधान के अनुच्छेद 335 में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

Contact: +91 9887809083

अध्याय – 3

भारत का भूगोल

1. पूर्वी तटीय मैदान का एक अन्य नाम कोरोमंडल तटीय मैदान है ।
2. भारतीय मानक समय 82.5° E रेखांश पर अपनाया जाता है ।
3. भारत का मानक समय ग्रीनविच माध्य समय से $5\frac{1}{2}$ घंटे आगे है ।
4. भारत के दक्षिण छोर का नाम निकोबार द्वीप में स्थित इंदिरा पॉइंट है ।
5. भारत के दक्षिणी छोर को इंदिरा पॉइंट कहा जाता है ।
6. क्षेत्रफल की दृष्टि से भारत संसार का सातवां सबसे बड़ा देश है ।
7. भारत का क्षेत्रफल, पाकिस्तान से लगभग चार गुना बड़ा है।
8. भारतीय उपमहाद्वीप मूलतः गोंडवानालैंड का एक अंग था ।
9. दक्षिण ध्रुव प्रदेश (अंटार्कटिका)में स्थित भारत के स्थायी अनुसंधान केंद्र का नाम दक्षिण गंगोत्री है।
10. हिमाचल प्रदेश के किन्नौर जिले की सीमा चीन के साथ लगती है।
11. भारत का सबसे बड़ा संघ राज्य क्षेत्र अंडमान और निकोबार द्वीप समूह है।
12. राज्यों अरुणाचल प्रदेश, असम और मणिपुर समूह के साथ नागालैंड की साझी सीमाएं हैं।
13. भारत के राजस्थान राज्य का क्षेत्रफल सबसे अधिक है।
14. आन्ध्र प्रदेश राज्य की तटरेखा सबसे लंबी है।
15. भारत की तटरेखा 7500 किमी है।
16. लक्षद्वीप द्वीपसमूह अरब सागर में स्थित है।
17. लक्षद्वीप में 36 द्वीपसमूह हैं ।
18. अंडमान निकोबार द्वीप में 'गद्दीदार चोटी' (सैडिल पीक)उत्तरी अंडमान में स्थित है।
19. पश्चिम बंगाल की सीमाएं तीन देशों के साथ लगती हैं।
20. आन्ध्रप्रदेश और तमिलनाडु के तटीय भू-भाग को कोरोमंडल कहते हैं।

FREE SAMPLE

21. केरल के तट को मालाबार तट कहते हैं।

22. भारत की सबसे लंबी सुरंग, जवाहर टनल जम्मू और कश्मीर राज्य में स्थित है।

23. 'स्मार्ट सिटी' कोचीन में स्थापित की जा रही है।

24. दीव एक द्वीप गुजरात से हट कर है।

25. "गुजरात तट से दूर जिस विवादास्पद तटीय पट्टी पर भारत और पाकिस्तान बातचीत कर रहे हैं, उसका नाम सर क्रीक है।

26. प्रस्तावित समुद्र मार्ग 'सेतुसमुद्रम' मन्नार की खाड़ी समुद्री वीथिकाओं (Sea-lanes) से गुजरने वाली नहर है।

27. भारत का पुडुचेरी संघ शासित प्रदेश ऐसा है, जिसमें चार जिले हैं, किंतु उसके किसी भी जिले की सीमा, उसके किसी अन्य जिले की सीमा से नहीं मिलती।

28. संघ राज्य क्षेत्र पुडुचेरी की सीमा कर्नाटक के साथ नहीं लगती है ।

29. झीलों के अध्ययन को लिम्नोलाजी कहते हैं।

30. जोजी-ला दर्रा श्रीनगर और लेह को जोड़ता है।

कुल्लू घाटी धोलाधर और .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

203.भारत की सिलिकॅन वॅली बंगलुरू में स्थित है।

204. बंगलुरू नगर को 'भारत की सिलिकॅन घाटी' कहा जाता है।

205. आंध्रप्रदेश में अनंतपुर जिला स्वर्ण लिए प्रसिद्ध है।

206. स्वतंत्रता के बाद विकसित किया गया पहला पत्तन कांडला था।

207.भारत का सबसे ऊँचा बांध भाखड़ा है।

208. भारत में सबसे ऊँचा बांध, भाखड़ा सतलज नदी पर बना है।

209. टिहरी बांध का निर्माण भागीरथी नदी पर किया गया है।

210.भारत में कुल विद्युत शक्ति में जल-विद्युत शक्ति का योगदान लगभग पांचवां-भाग है।

211. भारत वर्ष की सबसे बड़ी सिंचाई नहर का नाम इंदिरा गाँधी नहर है।

212.इंदिरा गाँधी नहर को सतलज और व्यास नदियों से पानी मिलता है।

213.नागार्जुन सागर बांध कृष्णा नदी पर बना है।

214.नागार्जुन सागर परियोजना कृष्णा नदी पर है।

215.कोयना हाइड्रो-इलेक्ट्रिक परियोजना महाराष्ट्र राज्य में स्थित है।

216.भारत में सबसे पुरानी नदी घाटी परियोजना दामोदर है।

217.भारत में सबसे लंबा बांध हीराकुंड बांध है।

218.भारत में स्थापित पहला परमाणु संयंत्र तारापुर .....

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी

*"**राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

Contact: +91 9887809083

558. कन्याकुमारी से कोलंबो जाने लिए मन्नार की खाड़ी पार करनी पड़ती है।

559. हांगकांग, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, ताइवान चार देशों को एशियन टाइगर कहा जाता है।

560. दक्षिण ध्रूव की खोज एमंडसन ने की थी।

561. उत्तरी ध्रूव में भारत के अनुसंधान केंद्र का हिमाद्रि है।

562. अंटार्कटिका के ऊपर ओजोन छिद्र का पता 1985 में चला था।

563. विश्व में प्रदूषण का सबसे बड़ा स्रोत वाहित मल और कचरा है।

564. प्रस्वेदन गर्म, नम और हवादार स्थिति में स्थिति में बढ़ता है।

565. दक्षिण सूडान की राजधानी जूबा है।

566. पीसो मेक्सिको देश की मुद्रा है।

567.येन जापान देश की मुद्रा है।

568. अमेरिका की खोज कोलंबस ने की।

569. 1488 में बार्थोलोम्यू डायस ने केप ऑफ़ गुड होप की खोज की।

570.पर्थ से लंदन का सबसे छोटा हवाई-मार्ग पर्थ-अंकारा-पेरिस-लंदन है।

FREE SAMPLE

S71. जापानी सहयोग से स्थापित किया गया नवीनतम और सबसे बड़ा शिपयार्ड कोची शिपयार्ड है।

S72. 'टेरा रोस्सा' एक लैटिन शब्द है जिसका अर्थ है लाल भू-भाग (क्षेत्र)।

S73. पृथ्वी के स्थल पृष्ठ का एक-तिहाई भाग रेगिस्तान है।

S74. मंगल की परिक्रमा कक्षा में जाने वाला प्रथम एशियाई देश भारत .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Contact: +91 9887809083

अध्याय - 4

पारिस्थितिकी, वन्य जीव एवं जैव विविधता और जलवायु परिवर्तन

पारिस्थितिकी -

पारिस्पितिकी विज्ञान विज्ञान की वह शाखा है जिसके अन्तर्गत जीव- विज्ञान तथा भूगोल के मौलिक सिद्धात की पारस्परिक व्याख्या की जाती है अर्थात किसी कालखण्ड विशेष मे, किसी स्थान पर जीवों का उसके पर्यावरण के साथ पारस्परिक सम्बन्धो का अध्ययन पारिस्थितिकी हलाता है।

Ecology लैटिन भाषा के 2 शब्दो से मिलकर बना हुआ - OIKOS ओर LOGOS जहाँ OIKOS से आशय है निवास स्थान जबकि LOGOS अध्ययन शब्द को प्रतिबिम्बित करता है अर्थात् किसी जीव के निवास स्थान या आवास के अध्ययन को पारिस्थितिकी कहा जाता है।

इकोलॉजी शब्द के जन्मदाता राइटर महोदय है जबकि इस शब्द की सैद्धान्तिक व्याख्या अर्नेस्ट हैकल ने प्रस्तुत की थी इसलिए पारिस्थितिक विज्ञान या जन्मदाता हैकल को ही समझा जाता है।

Leveles of ecological study [पारिस्थितिक विज्ञान अध्ययन के विभिन्न स्तर]

1. जनसख्या (Population)
2. समस्ती (Cummunity)
3. पारितन्त्र (Eco-System)
4. बायोम (जीबोम)
5. जैवमण्डल (Bio-sphere)

FREE SAMPLE

1. **जनसंख्याः-** किसी निश्चित कालखण्ड में स्थान विशेष पर समान प्रजाति मे पाये जाने वाले जीवों की कुल संख्या को परिस्थितिक जनसंख्या कहते है।

यहाँ प्रजाति से आशय है वह जैव-समूह जिसमे स्वरूपगत , आनुवाशिक भिन्नता हो तथा सफल लैंगिंग एवं अलैंगिक प्रजनन पाया जाता है। जनसंख्या पारिस्थितिकी के अध्ययन की सबसे छोटी इकाई है।

2. **समुदाय-** समुदाय निर्धारित स्थान - विशेष मे जीवो का वैसा समूह है जो की एक-दूसरे से प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रुप से अंतर्सम्बन्धित होते है। अर्थात् समुदाय की आवश्यक शर्त है की इसमे विभिन्न प्रजातियाँ पारिस्थितिक उर्जा के लिए एक-दूसरे पर आश्रित होती है।

3. **पारिस्थितिक तन्त्र –** पारिस्थितिकी तन्त्र पारिस्थितिकी विज्ञान के अन्तर्गत सूक्ष्म से लेकर ब्रह्द क्रियात्मक इकाई है जिसमे जैविक एवं अजैविक घटको के मध्य अन्तर्सम्बन्धो से उत्पन्न उर्जा प्रवाह का अध्ययन किया जाता हैं।

पारिस्थिति तन्त्र शब्द के जन्मदाता आर्थर टान्सले महादय हैं परन्तु इसकी सैधान्तिक व्याख्या E.P. Odem महोदय ने अपनी पुस्तक Fundamental of Ecology मे की है इसलिए Father of Ecosystem Odem महोदय को कहा जाता हैं।

Types of EcSo-system - क्रियात्मकता के आधार पर पारितन्त्र 2 प्रकार के होते हैं-

1. प्राकृतिक पारितन्त्र 2. क्रत्रिम पारितन्त्र

1. **प्राकृतिक पारितन्त्र-** पारितन्त्र का वह अंग हैं जिसमें मानवीय हस्ताक्षेप नहीं होता इसके 2 महत्वपूर्ण अंग हैं-

(अ) स्थलिय पारितन्त्र, घासभूमि पारितन्त्र, मरुभूमि पारितन्त्र etc.

(ब) जलीय पारितन्त्र- जलीय पारितन्त्र स्वभावतः 2 प्रकार का होता हैं-

(I) प्रवाही जल का पारितन्त्र

(2) स्थायी जल का पारितन्त्र

स्थायी जल का पारितन्त्र विभिन्न प्राक्रतिक पारितन्त्र में सर्वाधिक स्थिर पाया जाता हैं। सागरिय पारितन्त्र जलीय पारितन्त्रों में सर्वाधिक स्थिर हैं।

2 **क्रत्रिम पारितन्त्र-** पारितन्त्र का वह अंग जोकि मानव द्वारा अपनी आवश्यकताओं के अनिरूप निर्मित किया जाता हैं उसे क्रत्रिम पारितन्त्र कहते हैं जैसे - कृषि भूमि का पारितन्त्र।

पारितन्त्र के घटक- क्रियात्मक पारितन्त्र मे मुख्य रूप से 2 प्रकार के घटक पाये जाते हैं जाकि एक-दूसरे से ऊर्जा प्रवाह द्वारा जूडे होते हैं।

(I) अजैविक घटक- पारितन्त्र के अजैविक घटक तीन वर्गो में विभक्त किये जा सकते हैं-

(I) कार्बनिक घटक- कार्बनिक घटकों का निर्माण पारितन्त्र में विभिन्न जैव- रासायनिक प्रकृियाओं द्वारा होता हैं इसलिए इन्हे रासायनिक घटको के नाम से भी जानते हैं जैसे- कार्बोहाइड्रेटस, प्रोटिन, वसा आदि।

(2) भौतिक घटक- इन्हे जलवायुविक घटाकों की भी श्रेणी में रखते हैंजैसे तापमान, आद्रता, वायुमण्डलिय दाब, पवन परिसंचरण आदि के साथ-साथ उँचाई।

(3) खनिज घटक- अजैविक घटकों में पारितन्त्र में खनिजों का महत्वपूर्ण योगदान हैं जोकि विभिन्न पोषण स्तरों में चक्रीय प्रवाह के रूप में प्राप्त होते हैं। जैसे- कैल्शियम, सोडियम, पोटेशियम, P, fe, Cu, O 2 आदि।

FREE SAMPLE

(2) **जैविक स्वपोषि-** वह जैव समुदाय जोकि भौतिक तत्वों से अपने लिए स्वयं भोज्य ऊर्जा उत्पन्न करता हैंउन्हे स्वपोषि कहा जाता हैं। इनके 2 महत्वपूर्ण वर्ग हैं-

I. प्राकाश संश्लेषीत जीव- जोकि सूर्य से प्राप्त उर्जा द्वारा अपना भोजन निर्मित करता हैं इसके अन्तर्गत मुख्य रूप से पादप समूह आते हैं।

2. रासायनिक संश्लेषीत जीव- वह सूक्ष्म जीव जोकि सूर्य प्रकाश की अनुपस्थिति में जैव-रासायनिक प्रक्रिया द्वारा अपना भोजन निर्माण करते हैं।

परपोषी- वह जैव समूह जोकि अपने भोज्य उर्जा हेतु स्वपोषियों पर निर्भर करता हैं उसे परपोषी जैव समूह कहते हैं इसे 2 वर्गो में रखा जाता हैं-(I) Marco (2) Micro

Functionality of the Eco-system-

(I) पारितन्त्र में उर्जा का प्रवाह विभिन्न पोषण स्तरों में हमेशा एकदिशीय होता हैं-

(2) पारितन्त्र कर सन्तुलन उर्जा प्रवाह पर ही निर्भर करता हैं।

(3) एक पोषण स्तर से दूसरे पोषण स्तर में स्थानान्तरित होती हुई उर्जा के अधिकांश मात्रा का ह्रास हो जाता है परन्तु उर्जा विनिष्ट नही .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी

पोषण स्तर [Tropic Level]

उत्पादक →उपभोक्ता→।।उपभोक्ता→।।।उपभोक्ता

लिण्डमैन महोदय के अनुसार पारितन्त्र में उर्जा संग्रहण उत्पादक समूह द्वारा की जाती हैं। उत्पादकों से उपभोकताओं में उर्जा का स्थानान्तरण चरणबध्य प्रक्रिया से होता हैं इसके प्रत्येक चरणों को ही पोषण स्तर कहा जाता हैं।

पोषण स्तर ५ वर्गो में विभक्त हैं-

(।) पोषण स्तर ।- *इसके अन्तर्गत स्वपोषी जैव समूह आता हैं। जिसे उत्पादक भी कहा जाता हैं। जैसे- हरे पौधे या वनस्पतियाँ, वह सूक्ष्म जीव जोकि रासायनिक संश्लेषण करते हैं वह प्रथम पोषण स्तर में आते हैं।*

(2) पोषण स्तर 2- *यह उपभोक्ताओं का प्रतिनिधित्व करने वाला वर्ग हैं जिसमे प्रथम श्रेणी के उपभोक्ता अर्थात् शाकाहारी समूह को सम्मिलित किया जाता हैं। जैसे- गाय, हिरण etc.*

(3) पोषण स्तर 3- *इसमें द्वितीय श्रेणी का उपभोक्ता समूह आता हैं जिसे माँसाहारी कहते हैं। जैसे- बाघ, शेर etc.*

(4) पोषण स्तर ५- *इसमें तृतीय श्रेणी का उपभोक्ता समूह सम्मिलित किया जाता हैं जिसे सर्वाहारी कहते हैं। जैसे- मानव, कुत्ता, बिल्ली*

पारिश्तितिक तन्त्र मे उत्पादकता उत्पादक समूह द्वारा जैव-रासायनिक प्रक्रिया से या प्रकाश संश्लेषण की प्रक्रिया से अर्जित की गई या संचित की गई कुल उर्जा की .....

FREE SAMPLE

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026"* *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026"* *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

Contact: +91 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- ***वन्य जीव एवं जैव विविधता*** -

जैव विविधता शब्द पहली बार 1986 में रोसेन महोदय ने Forum of Bio-Divercity में दिया था परन्तु इसकी संकल्पनात्मक व्याख्या 0. बिल्सन महोदय द्वारा प्रस्तुत की गई थी।

जैव-विविधता से आशय है विश्व मे पायी जाने वाली कुल प्रजातियों की मात्रा या जीवन की विविधता को ही जैव-विविधता कहा जाता हैं। प्रजातियों की प्रचुरता किसी भी पारितन्त्र के सन्तुलन में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करती हैं। इसी आधार पर जैव-विविधता के कुल तीन प्रकार माने जाते हैं-

(1) पारितन्त्र विविधता- किसी एक बायोम प्रदेश या जैव-मण्डलीय क्षेत्र में पाये जाने वाले कुल पारितन्त्र की प्रचुरता ही पारितन्त्र विविधता कहलाती हैं जैसे- विषुवतीय वर्षा वन प्रवाल भित्तियाँ तथा मैंग्रोव वनों में पारितन्त्र की विविधता उच्च पायी जाती हैं।

(2) प्रजाति विविधता- किसी एक विशिष्ट पारितन्त्र में पाये जाने वाले कुल प्रजातियों की संख्या ही प्रजाति विविधता कहलाती हैं। चूँकि पारितन्त्र के प्रत्येक जैविक घटक एक-दूसरे से खाद्य उर्जा के रूप में अर्न्तसम्बधिंत रहते हैं इसलिए जिस पारितन्त्र में प्रजाति विविधता उच्च पायी जाती हैं वह अधिक स्थायी माना जाता हैं।

(3) अनुवांशिक विविधता- किसी एक प्रजाति विशेष में पायी जाने वाली कुल अनुवांशिक प्रचुरता संख्या को अनुवांशिक विविधता कहते हैं जैसे छत्तीसगढ बेसिन में चावल की सर्वाधिक अनुवांशिक विविधता पायी जाने के कारण ही इसे Rice Bowl of India कहते हैं। आनुवांशिक विविधता के आधार पर उपप्रजातियों की गणना की जाती हैं जैसे यदि बाघ के अनुवांशिक विविधता की गणना की जाती हैं जैसे यदि बाघ के अनुवांशिक विविधता की गणना करना हैं तो हमे तीन महत्वपूर्ण उपप्रजातियाँ प्राप्त होती हैं-

(अ) रॉयल बंगाल टाइगर (ब) अफ्रीकन टाइगर (स) साइबेरियन टाइगर आदि।

FREE SAMPLE

जैव विविधता के मापन- *जैव विविधता का मापन तीन आधारों पर किया जाता हैं जिसकी गणना हम निम्नलिखित रूपों में करते हैं-*

अल्फा Diversity- *इसके अन्तर्गत किसी प्रदेश विशेष में पायी जाने वाली प्रजातियों की संख्या का वर्णन करते हैं।*

बीटा Diversity- *इसमें प्रजातियों की आपसी संरचना या संरचनात्मक विविधता का वर्णन करते हैं।*

गामा Diversity- *इसके अन्तर्गत पारितन्त्र की विभिन्न प्रजातियों के यह के अर्न्तसम्बन्ध का अध्ययन किया जाता हैं।*

Magnitude of Bio-Diversity (जैवविविधता के परिणाम)-

प्रिणाम के अन्तर्गत विश्व तथा भारत में प्राप्त होने वाली कुल जैव विविधता की .....

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

Contact: +91 9887809083

whatsapp- https://wa.link/8842rw_34 website- https://bit.ly/vanpal-vanrakshak-notes

भारतीय जैव विविधता भारतीय जैव विविधता को ५ विभिन्न प्रकारों में वर्गीकृत किया जाता हैं-

प्रायद्वीपीय जैव विविधता- *भारत की सर्वाधिक जैव-विविधता प्रायद्वीपीय पठार तथा पहाडियों के साथ-साथ तटीय मैदानों में प्राप्त होती हैं जैसे पश्चिमी घाट में नीलगिरि बायोस्फीयर रिजर्व के अन्तर्गत आने वाली शान्त घाटी (केरल) भारत की सर्वोच्च जैव-विविधता का केन्द्र हैं। यहाँ सदाबहार वनस्पतियों से लेकर सवाना घास भूमि तक प्राप्त होती हैं।*

मलायन जैव-विविधता- *पूर्वोत्तर भारत के पर्वतीय क्षेत्रो तथा घाटी प्रदेशो में प्राप्त होने वाली विविधता इसके अन्तर्गत आती हैं जहाँ पूर्वी हिमालय Hotspot तथा Indo-Vermin Hotspot के क्षेत्र सम्मिलित किये गये हैं।*

लगभग 200सेमी. की वर्षा तथा सालभर उच्च तापमान के कारण इस प्रदेश में लगभग 3,000 प्रकार की स्थानीय पादप प्रजातियाँ प्राप्त होती हैं जहाँ चौडी पत्तीदार सदाबहार वनों से लेकर शंकुधारी वनस्पतियाँ भी प्राप्त होती हैं।

यूरोपियन जैव-विविधता- *पश्चिमी हिमालय में उच्च पर्वतीय क्षेत्रों में प्राप्त होने वाली शंकुधारी वनों की विविधता यूरोपियन जैव-विविधता .....*

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026"* *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे*

दिए गये ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *–* 2026*"* *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

Contact: +91 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

वन्य जीव से सम्बंधित कुछ आन्दोलन

- **चिपको आंदोलन :-**

चिपको आंदोलन पर्यावरण संरक्षण का एक महत्वपूर्ण आंदोलन है। यह आंदोलन तत्कालीन उत्तर प्रदेश (अब उतराखण्ड) के चमोली जिलें में सन् 1973 में 26 मार्च को प्रारंभ हुआ था। भारत के प्रसिद्ध पर्यावरणविद् चंडी प्रसाद भट्ट तथा श्रीमती गौरादेवी के नेतृत्व में यह आंदोलन शुरू हुआ जिसे सुंदरलाल बहुगुणा, गोविंद सिंह रावत ने आगे बढ़ाया।

उत्तराखंड के रेणी में 2400 से अधिक पेड़ों को काटा जाना था, जिसे बचाने के लिए गौरा देवी के नेतृत्व में रेणी गांव की 27 महिलाओं ने प्राणों की बाजी लगाकर पेड़ों से चिपक कर पेड़ों की कटाई को असफल कर दिया था। सबसे इस आंदोलन का नाम चिपको आंदोलन के रूप में जाना जाने लगा।

- **बीज बचाओ आंदोलनः-**

यह आंदोलन परंपरागत अनाजों एवं उनके बीजों को संरक्षित रखने का एक अभियान है। इसकी शुरुआत चिपको आंदोलन से जुड़े विजय जड़धारी ने की थी। उन्होंने खेती की अनूठी परंपरा पद्धति से जुड़ी हुई बारहनाजा नामक पुस्तक की भी रचना की थी। बारहनाजा एक प्रकार का फसल चक्र पद्धति है।

- **नवदालयः-**

नवदालय भारत की एक गैर सरकारी संस्था है। जो जैव विविधता के संरक्षण, जैविक कृषि, कृषि अधिकार तथा बीज बचाने के लिए .....

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

Contact: +91 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- ***ओजोन अवक्षय***

ओजोन एक वायुमण्डलीय गैस है या ऑक्सीजन का एक प्रकार है। ऑक्सीज(02) के दो परमाणुओं (Atoms) से जुड़ने से ऑक्सीजन गैस (02) गैस बनती है, जिसे हम सांस लेते समय फेफड़ों के अंदर खींचते हैं। तीन ऑक्सीजन परमाणुओं के जुड़ने से ओजोन (03) का एक अणु बनता है। इसका रंग हल्का नीला होता है और इससे तीव्र गंध आती है।

ओजोन गैस ऊपर वायुमण्डल (Stratosphere) में अत्यंत पतली एवं पारदर्शी परत बनाते हैं। वायुमंडल में व्याप्त समस्त ओजोन का कुल 90 प्रतिशत भाग समताप मंडल में पाया जाता है। वायुमंडल में ओजोन का कुल प्रतिशत अन्य गैसों की तुलना में बहुत ही कम है। प्रत्येक दस लाख वायु अणुओं में दस से भी कम ओजोन अणु होते हैं।

ओजोन की कुछ मात्रा निचले वायुमंडल (क्षोभमण्डल) में भी पाई जाती है। रासायनिक रूप से समान होने पर भी दोनों स्थानों पर ओजोन की भूमिका महत्वपूर्ण है।

समताप मंडल में यह पृथ्वी को हानिकारक पराबैंगनी विकिरण (Utraviolet Radiation)से बचाने का काम करती है

क्षोभमण्डल में ओजोन हानिकारक संदूषक (Pollutants) के रूप में कार्य करती है और कभीकभी प्रकाश रासायनिक धूम भी बनाती है।-

क्षोभमण्डल में यह गैस बहुत कम .....

नोट** – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान

- **विविध**

महत्वपूर्ण दिन

राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय दिवस 2021

जनवरी	समारोह की तिथि
प्रवासी भारतीय दिवस	09 जनवरी
राष्ट्रीय युवा दिवस	12 जनवरी
सड़क सुरक्षा सप्ताह	11 - 17 जनवरी
सेना दिवस	15 जनवरी
राष्ट्रीय बालिका दिवस	24 जनवरी
सुभाष चन्द्र का जन्मदिन	23 जनवरी
गणतंत्र दिवस - 26 जनवरी	26 जनवरी
शहीद दिवस	30 जनवरी
फरवरी	**समारोह की तिथि**
विश्व कैंसर दिवस	4 फरवरी
वेलेंटाइन्स डे	14 फरवरी
संत रविदास जयंती	27 फरवरी
राष्ट्रीय विज्ञान दिवस	28 फरवरी
मार्च	**समारोह की तिथि**

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस	4 मार्च
अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस	8 मार्च
ऑर्डनेंस फैक्ट्री डे	18 मार्च
विश्व जल दिवस	22 मार्च
शहीद दिवस	23 मार्च and 30 जनवरी
अप्रैल	**समारोह की तिथि**
विश्व स्वास्थ्य दिवस	7 अप्रैल
जलियांवाला बाग नरसंहार	13 अप्रैल
अम्बेडकर जयंती	14 अप्रैल
विश्व पृथ्वी दिवस	22 अप्रैल
विश्व पुस्तक दिवस	23 अप्रैल
मई	**समारोह की तिथि**
अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस	1 मई
विश्व प्रेस स्वतंत्रता दिवस	3 मई
राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस	11 मई
मातृ दिवस	09 मई
अंतर्राष्ट्रीय परिवार दिवस	15 मई
विश्व तम्बाकू निषेध दिवस	31 मई

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

जून	समारोह की तिथि
विश्व दुग्ध दिवस	1 जून
विश्व पर्यावरण दिवस	5 जून
विश्व रक्त दाता दिवस	14 जून
अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस	21 जून

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE

Contact: +91 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

• पुस्तक एवं लेखक

क्र.स.	पुस्तक	लेखक
1.	रामायण	वाल्मीकि
2.	महाभारत	वेदव्यास
3.	अष्टाध्यायी	पाणिनी
4.	अर्थशास्त्र	कौटिल्य
5.	बुद्धचरित	अश्वघोष
6.	सौन्दरानन्द	अश्वघोष
7.	मुद्राराक्षस	विशाखदत्त
8.	देवीचन्द्रगुप्तम्	विशाखदत्त
9.	महाभाष्य	पतंजलि
10.	ऋतुसंहार	कालिदास
11.	रघुवंशम्	कालिदास
12.	राजतरंगिणी	कल्हण
13.	विक्रमांकदेव चरित	विल्हण
14.	विक्रमोर्वशीयम्	कालिदास
15.	कुमारसम्भवम्	कालिदास
16.	मालविकाग्निमित्रम्	कालिदास
17.	अभिज्ञानशाकुन्तलम	कालिदास
18.	स्वप्नवासवदत्ता	भास
19.	हर्षचरित	बाणभट्ट
20.	रत्नावली	हर्षवर्धन

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

21.	कादम्बरी	बाणभट्ट
22.	प्रियदर्शिका	हर्षवर्धन
23.	नागानन्द	हर्षवर्धन
24.	मृच्छकटीकम	शूद्रक
25.	पृथ्वीराज रासो	चन्द्रबरदाई
26.	कर्पूरमंजरी	राजशेखर
27.	इण्डिका	मेगास्थनीज
28.	पंचतंत्र	विष्णु शर्मा
29.	प्रबंध कोष	राजशेखर
30.	रसमाला	सोमेश्वर
31.	किरातार्जुनीयम	भवभूति
32.	न्याय भाष्य	वात्स्यायन
33.	कामसूत्र	वात्स्यायन
34.	मालती माधव	भवभूति
35.	कीर्ति कौमुदी	सोमेश्वर
36.	उत्तर रामचरित	भवभूति
37.	कोकशास्त्र	कोका पंडित
38.	नीतिसार	कमण्डक
39.	काव्य मीमांसा	राजशेखर
40.	न्याय मंजरी	जयन्त
41.	श्रृंगार शतक	भर्तृहरि
42.	काव्य प्रकाश	मम्मट
43.	रसरत्नाकर	नागार्जुन

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026"* *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026"* *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

Contact: +91 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

• भारत में सर्वाधिक बड़ा, लम्बा एवं ऊँचा

सबसे ऊँचा टी० वी० टॉवर	पीतमपुरा (नई दिल्ली)
सबसे ऊँचा हवाई पत्तन	लेह (लद्दाख)
सबसे लम्बी नदी (भारत में बहने के अनुसार)	गंगा नदी
सबसे लम्बी यात्रा वाली ट्रेन (विद्युत)	राजधानी एक्सप्रेस दिल्ली से कोलकाता
सबसे लम्बी नहर	इंदिरा गाँधी नहर राजस्थान
"सबसे ऊँचा पर्वत शिखर -	गोडविन आस्टिन K-2
सबसे ऊँचा झरना	कुंचीकल (५५५ मी), कर्नाटक
सबसे ऊँचा दरवाजा	बुलन्द दरवाजा, फतेहपुर सीकरी (आगरा)
सबसे ऊँची मीनार	कुतुबमीनार, दिल्ली
सबसे ऊँचा बाँध	भाखड़ा बाँध (सतलज नदी पर)
सबसे ऊँची मूर्ति	देवताल झील (गढ़वाल)
पर ऊँची झील	ऋषभ देव की मूर्ति (खरगोन, मध्य प्रदेश)
सबसे लम्बा रेलवे प्लेटफॉर्म	गोरखपुर (उत्तर प्रदेश)
सबसे लम्बा रेल मार्ग	जम्मू से कन्याकुमारी तक
सबसे लम्बा राष्ट्रीय राजमार्ग	7 (वाराणसी से कन्याकुमारी)
सबसे लम्बी तटरेखा वाला राज्य	गुजरात
सबसे लम्बी सहायक नदी	यमुना नदी
सबसे लम्बा पुल	बांद्रा-वर्ली सी-लिंक (5,600)मी. मुम्बई महाराष्ट्र
सबसे लम्बी सुरंग	पीर पंजाल सुरंग (जम्मू-कश्मीर)

FREE SAMPLE

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

Contact: +91 9887809083

FREE SAMPLE

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

• ***भारत में प्रथम महिला***	
भारत की प्रथम महिला प्रधानमंत्री कौन थी ।	*श्रीमती इंदिरा गांधी*
संयुक्त राष्ट्र संघ के महासभा की प्रथम महिला सभापति कौन थी ।	*श्रीमती विजयलक्ष्मी पण्डित*
इण्डियन नेशनल कांग्रेस की प्रथम महिला सभापति कौन थी ।	*श्रीमती एनीबेसेंट*
मुख्य सूचना आयुक्त का पद भार सँभालने वाली पहली महिला	*दीपक संधू*
मिस एशिया पैसिफिक का खिताब जीतने वाली पहली भारतीय महिला	*जीनत अमान*
संयुक्त राष्ट्र महासभा की पहली महिला अध्यक्ष	*श्रीमती विजयलक्ष्मी पंडित*

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

Contact: +91 9887809083

- ***भारत किन किन क्षेत्रों में प्रथम स्थान रखता है।***

- *दुनिया में सरकार समर्थित परिवार नियोजन लागू करने वाला पहला देश ।*
- *विश्व का सबसे बड़ा डाक नेटवर्क भारत में है ।*
- *सर्वाधिक पशुधन आबादी भारत में है ।*
- *जूट का सबसे बड़ा उत्पादक देश भारत है ।*
- *अदरक का सबसे बड़ा उत्पादक देश भारत है।*
- *केले का सबसे बड़ा उत्पादक ।*
- *अरंडी के बीजों का सबसे बड़ा उत्पादक ।*
- *आमों का सबसे बड़ा उत्पादक ।*
- *दूध का सबसे बड़ा उत्पादक ।*
- *दुनिया में बाजरे का सबसे बड़ा उत्पादक*
- *सोने के आभूषण का सबसे बड़ा उपभोक्ता।*

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026"* *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026"* *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

- ***विश्व के प्रमुख संगठन और उनके मुख्यालय***

-

क्रमांक	***विश्व के प्रमुख संगठन***	***मुख्यालय***
1.	अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी)IAEA)	वियना, ऑस्ट्रिया
2.	अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष)IMF)	वाशिंगटन डी.सी ., अमेरिका
3.	अंतर्राष्ट्रीय न्यायालय	हेग, नीदरलैंड
4.	अंतर्राष्ट्रीय श्रम संगठन)ILO)	जेनेवा, स्विट्जरलैंड
5.	आर्थिक सहयोग और विकास संगठन)OECD)	पेरिस, फ्रांस

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक ***सैंपल मात्र*** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

Contact: +91 9887809083

- ***आविष्कार – आविष्कारक***

उपकरण	आविष्कारक	देश	वर्ष
बैरोमीटर	ई. टॉरसेली	इटली	1644
विद्युत बैटरी	अलेसांड्रो वोल्टा	इटली	1800
बाइसिकल	के. मैकमिलन	स्कॉटलैण्ड	1839
बाइसिकल टायर	जॉन डनलप	ब्रिटेन	1888
फाउण्टेन पेन	लेविस वाटरमैन	सं.रा.अमेरिका	1884

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** – 2026" *के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** – 2026" *की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

Contact: +91 9887809083

- ***भारत के राजकीय पशु पक्षी , वृक्ष और फूल की सूची***

भारत विभिन्न भाषाओं, संस्कृतियों एवं भौगोलिक विविधताओं का देश है। जिस तरह भारत का एक राष्ट्रीय पशु, एक पक्षी, एक वृक्ष और एक पुष्प है उसी तरह प्रत्येक राज्य के भी राजकीय पशु, पक्षी, वृक्ष और पुष्प हैं। किसी राज्य का राजकीय पशु, पक्षी, वृक्ष एवं पुष्प कौन-सा होगा, यह प्रमुख रूप से दो बातों पर निर्भर करता है। पहला यह कि वह वन्य जीव उस राज्य में बहुतायत में पाया जाता हो और दूसरा उसका उस राज्य से सांस्कृतिक रूप से जुड़ाव हो।

भारत के राज्यों के राजकीय पशु-पक्षियों की सूची-

राज्य	**पशु**	**पक्षी**
आंध्र प्रदेश	काला हिरन	तोता
अरुणाचल प्रदेश	मिथुन या गयाल	हार्नबिल
असम	भारतीय गैण्डा	सफेद पंखों वाला बत्तख
बिहार	गौर या भारतीय बाइसन	घरेलू गौरैया
छत्तीसगढ़	जंगली भैंसा	पहाड़ी मैना
गोवा	गौर या भारतीय बाइसन	बुलबुल
गुजरात	एशियाई सिंह	राजहंस
हरियाणा	काला हिरन	काला तीतर
हिमाचल प्रदेश	हिम तेन्दुआ	जेवर
झारखण्ड	भारतीय हाथी	काली गर्दन वाला सारस
कर्नाटक	भारतीय हाथी	नीलकंठ
केरल	भारतीय हाथी	हॉर्नबिल

FREE SAMPLE

मध्य प्रदेश	बारहसिंगा	दूधराज
महाराष्ट्र	भारतीय विशाल गिलहरी	हरियाल
मणिपुर	संगै	धारीदार पूँछ वाला तीतर
मेघालय	धूमिल तेंदुआ	पहाड़ी मैना
मिजोरम	हिमालयन सीरो	धारीदार पूँछ वाला तीतर

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE

Contact: +91 9887809083

क्र.सं.	राज्य का नाम	राजधानी	स्थापना दिवस
1	आंध्र प्रदेश	हैदराबाद (प्रस्तावित राजधानी अमरावती)	1 नवम्बर 1956
2	अरुणाचल प्रदेश	ईटानगर	20 फरवरी 1987
3	असम	दिसपुर	26 जनवरी 1950
4	बिहार	पटना	26 जनवरी 1950
5	छत्तीसगढ़	रायपुर	1 नवम्बर 2000
6	गोवा	पणजी	30 मई 1987

INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO
FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

Contact: +91 9887809083

- ***स्थलों / शहरों / अभियानों के परिवर्तित नाम***

पुराना नाम	***परिवर्तित नाम***
हबीबगंज रेलवे स्टेशन	*अटल बिहारी वाजपेयी रेलवे स्टेशन*
बोगीबील पुल / कांडला बंदरगाह	*अटल सेतू / दीनदयाल बंदरगाह*
नया रायपुर / साबरमती घाट	*अटल नगर / अटल घाट*
बुंदेलखंड एक्सप्रेस - वे / हजरगंज चौराहा	*अटल पथ /अटल चौक*
अगरतला हवाई अड्डा -	*महाराजा बीर बिक्रम हवाई अड्डा*

FREE SAMPLE

नोट – *प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक –*** 2026*" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक –*** 2026*" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

Contact: +91 9887809083

प्रिय दोस्तों, अब तक हमारे नोट्स में से अन्य परीक्षाओं में आये हुए प्रश्नों के परिणाम –

EXAM (परीक्षा)	DATE	हमारे नोट्स में से आये हुए प्रश्न
RAS PRE. 2021	27 अक्तूबर	74 (cut off- 64)
SSC GD 2021	16 नवम्बर	68 (100 में से)
SSC GD 2021	30 नवम्बर	66 (100 में से)
SSC GD 2021	01 दिसम्बर	65 (100 में से)
SSC GD 2021	08 दिसम्बर	67 (100 में से)
राजस्थान S.I. 2021	13 सितम्बर	113 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	14 सितम्बर	119 (200 में से)
राजस्थान S.I. 2021	15 सितम्बर	126 (200 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	79 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	23 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	103 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (1st शिफ्ट)	95 (150 में से)
RAJASTHAN PATWARI 2021	24 अक्तूबर (2nd शिफ्ट)	91 (150 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (1st शिफ्ट)	59 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	27 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	61 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (1st शिफ्ट)	56 (100 में से)
RAJASTHAN VDO 2021	28 दिसंबर (2nd शिफ्ट)	57 (100 में से)

FREE SAMPLE

U.P. SI 2021	14 नवम्बर 2021 Ist शिफ्ट	91 (160 में से)
U.P. SI 2021	21नवम्बर2021 (Ist शिफ्ट)	89 (160 में से)

दोस्तों, इनका proof देखने के लिए नीचे दी गयी लिंक पर क्लिक करें या हमारे youtube चैनल पर देखें –

RAS PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=p3_i-3qfDy8&t=136s

VDO PRE. – https://www.youtube.com/watch?v=gXdAk856W18&t=202s

Patwari – https://www.youtube.com/watch?v=X6mKGdtXyu4&t=103s

अन्य परीक्षाओं में भी इसी तरह प्रश्न आये हैं Proof देखने के लिए हमारे youtube चैनल (Infusion Notes) पर इसकी वीडियो देखें या हमारे नंबरों पर कॉल करें।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Contact: +91 9887809083

सामान्य विज्ञान

भौतिक विज्ञान

अध्याय – I

भौतिक विज्ञान के विषय

- दोस्तों, भौतिकी विज्ञान की वह शाखा है जिसके अंतर्गत द्रव्य तथा ऊर्जा और उसकी परस्पर क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है ।
- भौतिकी शब्द ग्रीक भाषा से लिया गया है, जिसका अर्थ है - प्रकृति ।
- फेयनमाल के अनुसार, भौतिकी पदार्थ और ऊर्जा का अध्ययन तथा इन दोनों के व्यवहार को प्रभावित करने वाले नियमों की खोज से संबंधित है । इस विज्ञान का संबंध रासायनिक परिवर्तनों से न होकर वस्तुओं के मध्य विद्यमान बलों एवं पदार्थ व ऊर्जा के अन्तर्सम्बन्धों से है । भौतिकी वह विज्ञान है जिसमें अजैव सृष्टि ताप, ध्वनि, विद्युत आदि पदार्थों का वैज्ञानिक अध्ययन किया जाता है ।

मापन

- भौतिक राशियाँ - भौतिकी के नियमों को जिन्हें राशियों के पदों में व्यक्त किया जाता है, उन्हें भौतिक राशियाँ कहते हैं :जैसे - लम्बाई, बल, चाल, वस्तु का द्रव्यमान, घनत्व इत्यादि । भौतिक; राशियाँ दो प्रकार की होती हैं - अदिश और सदिश ।
- अदिश राशि - जिन भौतिक राशियों के निरूपण के लिए केवल परिमाण की आवश्यकता होती है, किन्तु दिशा की कोई आवश्यकता नहीं होती, उन्हें अदिश राशि कहा जाता है । द्रव्यमान, चाल, समय, दूरी, ऊर्जा, आवेश, विद्युत धारा, विभव इत्यादि अदिश राशि के उदाहरण हैं ।

FREE SAMPLE

- *सदिश राशि - जिन भौतिक राशियों के निरूपण के लिए परिमाण के साथ-साथ दिशा की भी आवश्यकता होती है, उन्हें सदिश राशि कहा जाता है। बल, वेग, भार, त्वरण, विस्थापन इत्यादि सदिश राशि के उदाहरण हैं।*
- *भौतिकी के नियमों को समय, घनत्व, बल, ताप तथा अन्य भौतिक राशियों द्वारा व्यक्त किया जाता है।*

- ***माप की इकाइयाँ (Units of Measure)***

भौतिक विज्ञान में लम्बाई, द्रव्यमान एवं समय के लिए तीन मूलभूत इकाइयाँ प्रयुक्त होती हैं। अन्य इकाइयाँ इन्हीं तीनों मौलिक इकाइयों से बनी हैं। माप की इकाइयाँ दो प्रकार की होती है - मूल इकाई और व्युत्पन्न इकाई।

मूल मात्रक/इकाई (Fundamental Units) *– किसी भौतिक राशि को व्यक्त करने के लिए कुछ ऐसे मानकों का प्रयोग किया जाता है जो अन्य मानकों से स्वतंत्र होते .....*

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

मूल मात्रक (Fundamental Units) :-

भौतिक राशि **(Physical Quantity)**	**SI** मात्रक / इकाई **(SI Unit)**	प्रतीक / संकेत **(Symbol)**
लंबाई (Length)	मीटर (Metre)	M
द्रव्यमान (Mass)	किलोग्राम (Kilogram)	Kg
समय (Time)	सेकेंड़ (Second)	S
विद्युत – धारा (Electric Current)	एम्पियर (Ampere)	A
ताप (Temperature)	केल्विन (Kelvin)	K
ज्योति – तीव्रता (Luminous Intensity)	कैण्ढेला (Candela)	Cd
पदार्थ की मात्रा (Amount of substance)	मोल (Mole)	mol

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अत्यधिक लंबी दूरियों के मापने में प्रयोग किए जाने वाले मात्रक :-

- **खगोलीय इकाई (Astronomical Unit- A.U.) -** यह दूरी का मात्रक हैं। सूर्य और पृथ्वी के बीच की मध्य दूरी (mean distance) खगोलीय इकाई कहलाती है।

  1 A.U. = 1.495×10^{11} Metres

- **प्रकाश वर्ष (Light Yearly) -** यह दूरी का मात्रक है। एक प्रकाश वर्ष निर्वात् में प्रकाश के द्वारा एक वर्ष में चली गयी दूरी हैं, जो 9.46×10^{15} मी. के बराबर होती हैं।

- **पारसेक (Parsec) –** Parallax Second - यह दूरी मापने की सबसे बड़ी इकाई है (1 Parsec = 3.08 X 10^{16}m) लम्बाई/दूरी के मात्रक

1 किलोमीटर (km)	= 1000 मी.
1 मील (Mile)	= 1.60934 किमी.

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक –** 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक –** 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Contact: +91 9887809083

कुछ विशेष मापक यंत्रः-

क्र.सं.	मापक यंत्र	उपयोग
1.	बैरोमीटर	वायुमंडलीय दाब मापने में
2.	हाइड्रोमीटर	तरल पदार्थों का सापेक्षित घनत्व
3.	हाइग्रोमीटर	सापेक्षित आर्द्रता
4.	एनीमोमीटर	वायु की गति/पवन वेग मापन
5.	एमीटर	विद्युत धारा की तीव्रता

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Contact: +91 9887809083

अध्याय – 5

प्रकाशिकी (Optics)

प्रकाश ऊर्जा ही एक ऐसा रूप है जो नेत्र की रेटिना को उत्तेजित करके हमें दृष्टि संवेदनशील बनाता है तथा इसी के कारण हम वस्तुओं को देख पाते हैं। प्रकाश, विद्युत चुम्बकीय तरंगे है तथा इनसे प्राप्त विद्युत चुम्बकीय स्पेक्ट्रम का एक सूक्ष्म भाग (4000A – 7800A) ही मानव नेत्र को वस्तुएँ दिखाने मे सहायक होता है, जिसे दृश्य प्रकाश कहते हैं। भौतिक विज्ञान की जिस शाखा के अन्तर्गत प्रकाश के गुणों का विस्तृत अध्ययन किया जाता है, प्रकाशिकी (Optics) कहलाती है।

प्रकाश की चाल-

विभिन्न माध्यमों में प्रकाश की चाल भिन्न-भिन्न होती है। निर्वात् या वायु में प्रकाश की चाल (Speed of Light) सर्वाधिक अर्थात् 3×10^8 मी./से. होती है, जो माध्यम जितना अधिक सघन होता है उसमें प्रकाश की चाल उतनी ही कम होती है। प्रकाश की किसी माध्यम में चाल, $u = c/\mu$ होती है, जहाँ $c = 3 \times 10^8$ मी/से तथा μ माध्यम का अपवर्तनांक (Refractive Index) है।

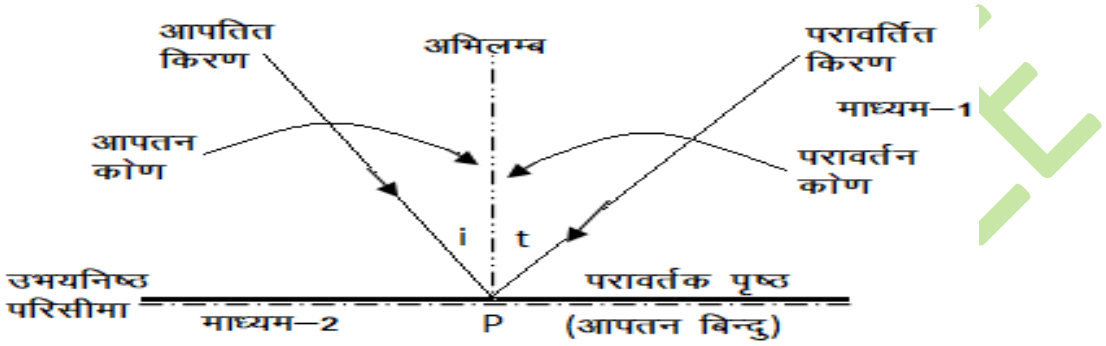
प्रकाश के वेग की गणना सर्वप्रथम रोमर ने की। सूर्य के प्रकाश को पृथ्वी तक पहुँचने में औसतन 8 मिनट 16.6 सेकण्ड का समय लगता है। चन्द्रमा से परावर्तित प्रकाश को पृथ्वी तक आने में 1.28 सेकण्ड का समय लगता है।

विभिन्न माध्यमों में प्रकाश की चाल निम्न तालिका में प्रदर्शित है।

माध्यम	प्रकाश की चाल (मी/से)
वायु	2.95×10^8
जल	2.25×10^8
काँच	2.00×10^8

प्रकाश का परावर्तन-

जब प्रकाश की किरण सतह पर पड़ती है और समान माध्यम मे वापस लौट जाती है तो यह परिघटना प्रकाश का परावर्तन (Reflection) कहलाती है। परावर्तन में आवृति, चाल तथा तरंगदैर्ध्य अपरिवर्तित रहती है, परन्तु इसमें एक कलान्तर उत्पन्न हो जाता है, जो कि परावर्तन पृष्ठ की प्रकृति पर निर्भर करता है।



प्रकाश का परावर्तन

परावर्तन के दो नियम हैं-

आपतन कोण = परावर्तन कोण अर्थात् ∠i = ∠r

I.आपतित किरण, परावर्तित किरण तथा अभिलम्ब तीनों एक ही तल में होती हैं।

दर्पण –

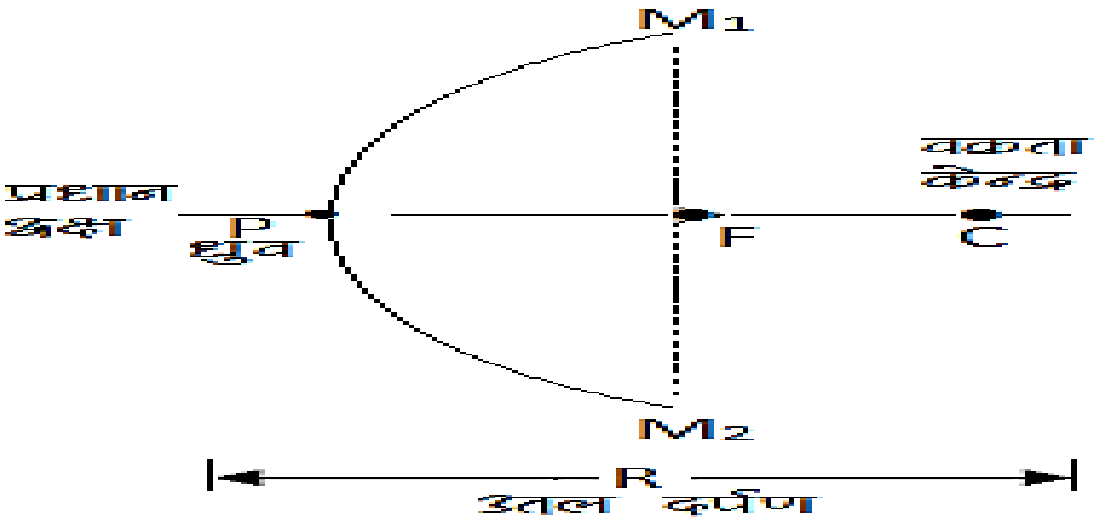
यह काँच की भांति होता है जिसकी एक सतह पॉलिश की हुई होती है। दर्पण या आईना एक प्रकाशीय युक्ति है जो प्रकाश के परावर्तन के सिद्धांत पर कार्य करती है

दर्पण दो प्रकार के होते है, समतल दर्पण एवं गोलीय दर्पण।

गोलीय दर्पण से परावर्तन

गोलीय दर्पण वे दर्पण हैं, जिनकी परावर्तक सतह गोलीय होती है। गोलीय दर्पण दो प्रकार के होते हैं:-

उत्तल दर्पण – ऐसे दर्पण जिनमें परावर्तन उभरी हुई सतह से होता है, उत्तल दर्पण कहलाते हैं । यह अनन्त से आने वाली किरणों को फैलाता है तथा ये किरणों को अपसारित करता है। अतः इसे अपसारी दर्पण भी कहा जाता है।



अवतल दर्पण (Concave Mirror)- ऐसे दर्पण जिनमें परावर्तन दबी हुई सतह से होता है, अवतल दर्पण कहलाते हैं। इसे अभिसारी दर्पण .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक –** 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक –** 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

Contact: +91 9887809083

परीक्षोपयोगी महत्त्वपूर्ण तथ्य

- तापगतिकी का प्रथम नियम सामान्यतया ऊर्जा के संरक्षण के नियम से संबद्ध मामला है।
- कृष्णिका-विकिरण उच्चतम अवस्था तक पहुंचने पर, तरंग-दैर्ध्य तापमान बढ़ने पर घट जाता है।
- प्लांक नियतांक की यूनिट (इकाई) Js है।
- भीषण सर्दी में ठंडे देशों में पानी की पाइपें फट जाती हैं। क्योंकि जमने पर पानी फैलता है।
- ताजे पानी का हिमांक बिंदु 0^0c है।
- ठंडे देशों में शीतकाल में झीलें जम जाती है, 0^0 पर नीचे का पानी छोड़ कर।
- किलोवाट-घंटा ऊर्जा का एक यूनिट है।
- -40^0 तापमान फारेनहाइट और सेल्सियस दोनों पैमाने पर वही होता है।
- आपेक्षिक आर्द्रता को प्रतिशत के रूप में व्यक्त किया जाता है।
- 'थर्म' ऊष्मा का यूनिट है।
- जल का क्वथनांक उच्च तुंगता पर निम्न वायुमंडलीय दाब के कारण से घट जाता है।
- जब किसी पाषाण खंड को पानी में डुबोया जाता है तो वह समान आयतन में पानी को विस्थापित कर देता है।
- जल का घनत्व 1g/cc है। यह 4^0c पर बिल्कुल सही है।
- बादल निम्न घनत्व के कारण वायुमंडल में तैरते हैं।
- वायु की क्षैतिज गति से होने वाले ऊष्मा के अंतरण को अभिवहन कहते हैं।
- एक वास्तविक गैस निम्न दाब और उच्च ताप पर एक आदर्श गैस के रूप में क्रिया कर सकती है।
- तारों का रंग तापमान पर निर्भर करता है।
- गैसफ्लेम (ज्वाला) के सबसे गर्म भाग को नॉन-ल्यूमिनस जोन कहते हैं।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- *कोई पिंड ऊष्मा का सबसे अधिक अवशोषण करता है, जब वह काला और खुरदरा हो। तप्त जल के थैलों में जल का .....*

नोट *– प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक* ***सैंपल मात्र*** *है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये* ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES

Contact: +91 9887809083

Important short tricks :-

SI पद्धती के मूल मात्रक

- ट्रिक ⇒ ज्वला दस ताप

▶ट्रिक का विश्लेषण

※ ज् ⇒ ज्योतितीव्रता

※ व ⇒ विधुतधारा

※ ला ⇒ लम्बाई

※ द ⇒ द्रव्यमान

※ स ⇒ समय

※ ता ⇒ ताप

※ प ⇒परिमाण (मात्रा)

सदिश राशियाँ

- ट्रिक ⇒ बविता आवे सभा

▶ट्रिक का विश्लेषण

※ ब ⇒ बल

※ वि ⇒विस्थापन,विद्युत तीव्रता

※ ता ⇒ त्वरण

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

※ आ ⇒ आवेग

※ वे ⇒ वेग

※ स ⇒ संवेग

※ भा ⇒ भार

अदिश राशियाँ

● द्रिक ⇒ उस आद्रता का दो माल चाविछे दूर है

▶द्रिक का विश्लेषण

※ उ ⇒ ऊर्जा, ऊंचाई, ऊष्मा

※ स ⇒ समय

※ आ ⇒ आयतन, आवेश

※ द्र ⇒ द्रव्यमान (mass)

※ ता ⇒ ताप

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे

दिए गये ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *–* 2026*" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

Contact: +91 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

रसायन विज्ञान

अध्याय- 5

धातु, अधातु एवं उपधातु

धातुएँ (Metals)

- सामान्यतः धातुएँ विद्युत की सुचालक होती है तथा अम्लों से क्रिया करके हाइड्रोजन गैस विस्थापित करती है। धातुएँ सामान्यतः चमकदार, अघातवर्ध्य एवं तन्य होती है। पारा एक ऐसी धातु है जो द्रव अवस्था में रहता है।
- पृथ्वी धातुओं की सबसे बड़ी स्रोत है तथा धातुएँ पृथ्वी को भूपर्पटी में मुक्त अवस्था या यौगिक के रूप में पायी जाती है। भूपर्पटी में मिलने वाली धातुओं में एल्युमोनियम, लोहा- कैल्सियम का क्रम से है प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान है।
- ज्ञात तत्वों में 78 प्रतिशत से अधिक संख्या धातुओं की है, जो आवर्त सारणी में बाईं ओर स्थित है।

खनिज (Minerals)- भूपर्पटी में प्राकृतिक रूप से पाए जाने वाले तत्वों या यौगिकों को खनिज कहते हैं ।

अयस्क (Ores)- खनिज जिनसे धातुओं को आसानी से तथा कम खर्च में प्राप्त किया जा सकता है उन्हें अयस्क कहते हैं । इसलिए सभी अयस्क खनिज होते हैं, लेकिन सभी खनिज अयस्क नहीं होते है, अतः सभी खनिजों का उपयोग धातु प्राप्त करने में नहीं किया जा सकता।

गैंग (Gangue)- अयस्क में मिले अशुद्ध पदार्थ को गैंग कहते हैं।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

मैग्नीशियम (Magnesium):- प्राकृतिक रूप से मैग्नीशियम(Mg) मैग्नीशियम क्लोराइड($MgCl_2$) के रूप में समुद्री जल में घुला हुआ पाया जाता है। हरे पौधों में पाए जाने वाले पर्णहरित में भी मैग्नीशियम पाया जाता है।

निष्कर्षण- मैग्नीशियम का निष्कर्षण मैग्नीशियम सिलिकेट, समुद्री जल अथवा इसके प्रमुख अयस्क 'कार्नेलाइट' ($KCl \cdot MgCl_2 \cdot 6H_2O$) से किया जाता है।

गुण-

- यह कोमल तथा प्रतन्य धातु है, जिसे तार या फीते के रूप में खींचा जा सकता है।
- मैग्नीशियम की प्रकृति क्षारीय होने के कारण यह क्षारों से कोई क्रिया नही करता है तथा तनु अम्लों से अभिक्रिया कर हाइड्रोजन गैस मुक्त करता है।

उपयोग -

- उद्योगों में उपयोग होने वाली धातुओं में सर्वाधिक हल्की है।
- विद्युत अपघटन की क्रिया में यह ऑक्सीजन की सफाई का कार्य करती है। अतः यह अन्य धातुओं के लिए कैथोड परिरक्षण का कार्य करती है।
- बल्ब, सिग्नल, फ्लैश लाइट आदि में मैग्नीशियम चूर्ण का उपयोग किया जाता है।

कैल्सियम (Calcium):-

- प्राकृतिक रूप से कैल्सियम चूना पत्थर की चट्टानों आदि में लाइमस्टोन या कैल्सियम कार्बोनेट($CaCO_3$) के रूप में पाया जाता ।
- वातावरणीय ऑक्सीजन से क्रिया करके यह बुझा चूना(CaO), हाइड्रोजन से क्रिया करके हाइड्रोलिथ(CaH_2), जल से क्रिया करके चूने का पानी($Ca(OH)_2$) आदि यौगिक बनाता है।
- प्रबल अपचायक होने के कारण कैल्सियम का उपयोग धातुओं के ऑक्साइड से धातु निष्कर्षण के लिये किया जाता है।

FREE SAMPLE

एल्युमीनियम (Aluminium):- भूपर्पटी में सर्वाधिक मात्रा में पाई जाने वाली धातु एल्युमीनियम(Al) है। यह खनिजों के रूप में संयुक्त अवस्था में पाई जाती है।

निष्कर्षण- एल्युमीनियम धातु का निष्कर्षण इसके मुख्य अयस्क बॉक्साइड($Al_2O_3.2H_2O$)से किया जाता है। यह अयस्क सर्वप्रथम फ्रांस के बॉक्स नामक स्थान से प्राप्त किया .....

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

Contact: +91 9887809083

अर्थात् चुम्बक द्वारा आकर्षित नहीं होता।

मिश्र धातु	संघटन
पीतल	ताँबा 70%, जिंक 30%
गन मेटल	ताँबा 88%, जिंक 2%, टिन 10%
स्टैनलेस स्टील	आयरन 89.4%, क्रोमियम 10%, मैंगनीज 0.35%, कार्बन 25%
मुंट्ज धातु	ताँबा 60%, तथा जस्ता 40%
डच धातु	ताँबा 80% तथा जस्ता 20%
जर्मन सिल्वर	ताँबा 51% निकेल 14%ए जिंक 35%
कांसा	ताँबा 89% टिन 11%
मैंगनेलियम	एल्युमिनियम 95%, मैंग्निशियम 5%
ड्यूरेलुमिन	एल्युमिनियम 95%, ताँबा 4%, मैंगनीज 0.5%, मैंगनीशियम 0.5%

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे दिए गये **हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें** , हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /

Contact: +91 9887809083

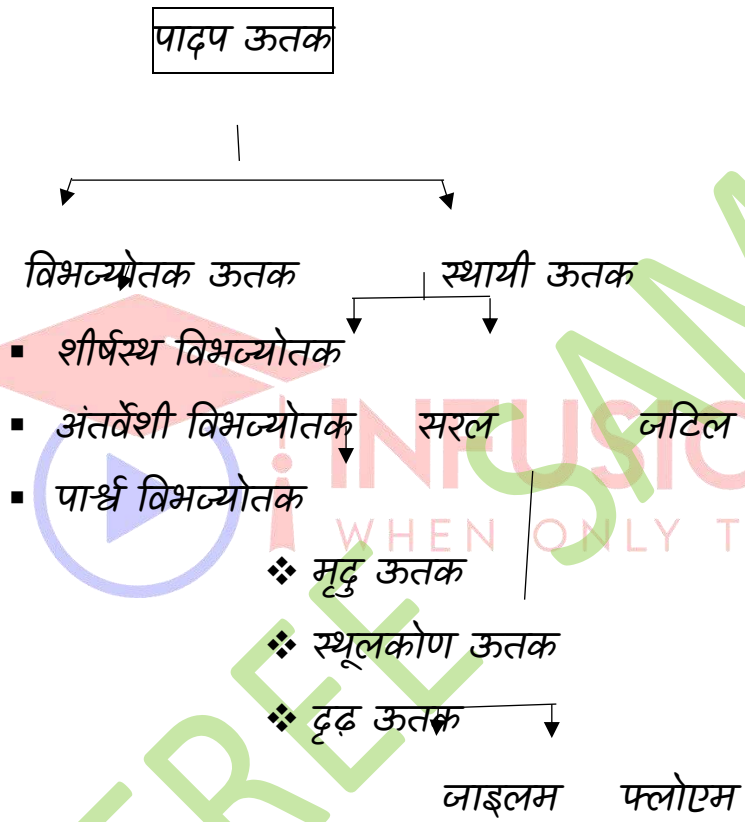
whatsapp- https://wa.link/8842rw_88 website- https://bit.ly/vanpal-vanrakshak-notes

जीव विज्ञान के विषय

अध्याय - 2

ऊतक (Tissue)

पादप ऊतक (Plant Tissue):-



विभज्योतक ऊतक (Meristematic Tissue)-

इनका मुख्य कार्य कोशिका विभाजन द्वारा निरंतर नई कोशिकाओं का निर्माण करना है। कोशिकाएँ विभाजित होकर पौधों की लम्बाई और मोटाई को बढ़ाने में सहायक होती है। इनके प्रमुख लक्षण निम्नलिखित है-

- विभज्योतक की कोशिकाएँ अधिक क्रियाशील होती है तथा इसकी कोशिकाभित्ति पतली होती है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

- ये आपस में सघनता से जुड़ी रहती है, इसलिये इनमें अंतर्कोशिकीय स्थान नही होता है।
- इसमें एक स्पष्ट केंद्रक और सघन एवं पर्याप्त कोशिका द्रव्य पाया जाता है।

अवस्थिति के आधार पर विभज्योतक ऊतक को तीन भागों में विभाजित किया गया है-

(a) शीर्षस्थ विभज्योतक ऊतक-

- यह ऊतक जड़ एवं तने के शीर्ष भाग में पाया जाता है।
- इस ऊतक द्वारा लम्बाई में वृद्धि होती है।
- इस ऊतक का निर्माण प्राथमिक विभज्योतिकी के द्वारा होता है।

(b) अंतर्वेशी विभज्योतक ऊतक-

- अंतर्वेशी विभज्योतक ऊतक पर्व संधियों पर पाए जाते हैं।
- पर्वांतर की लम्बाई में वृद्धि इन ऊतकों की सक्रियता के कारण होती है।
- ये घास कुल(चावल, मक्का, गन्ना इत्यादि) के पौधों में पाए जाते हैं।

(c) पार्श्व विभज्योतक ऊतक-

- ये ऊतक पादपों के किनारे के भागों में अवस्थित होते हैं।
- ये कॉर्क कैम्बियम के रूप में छाल के नीचे पाया जाता है।
- यह पौधों की चौड़ाई में वृद्धि करता है।

स्थायी ऊतक(Permanent Tissue)-

स्थायी ऊतक विभज्योतक ऊतकों से बनता है एवं इनमें विभाजन की क्षमता समाप्त हो जाती है।

इनमें प्रमुख लक्षण निम्नलिखित है-

स्थायी ऊतकों का एक .....

FREE SAMPLE

पेशी ऊतक(Muscular Tissue)-

प्रचालन तथा विभिन्न प्रकार की गतियों के लिये पेशी ऊतकों की आवश्यकता होती है। गतिशीलता एवं संकुचनशीलता जीवों के शरीर के महत्त्वपूर्ण लक्षण होते हैं। इस गतिशीलता एवं संकुचनशीलता में मायोसिन तथा ऐक्टिन नामक संकुचनशील प्रोटीन महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। पेशियाँ मानव शरीर का औसतन 40 प्रतिशत से 50 प्रतिशत भाग बनाती है।

पेशी ऊतक तीन प्रकार के होते हैं –

(a). अरेखीत या अनैच्छिक पेशीः-

अरेखीत पेशी का संकुचन जंतु के इच्छाधीन नही होता है, इसलिए इसे 'अनैच्छिक पेशी' कहते हैं। यह आइरिस, वृषण, मूत्राशय तथा रक्तवाहिनियों में पाई जाती है। आहारनाल में भोजन का प्रवाह इसी पेशी के संकुचन एवं प्रसार के कारण होता है।

(b). रेखीत या ऐच्छिक पेशीः-

रेखीत पेशी जंतु के कंकाल से संबद्ध रहती है और इसमें ऐच्छिक गति रहती है, जिस कारण इसे कंकाल पेशी या ऐच्छिक पेशी कहते हैं। इसके कोशिका द्रव्य को सार्कोप्लाज्म कहते हैं, जिसमें अनेक मायोफाइब्रिल होते हैं । यह बाँह, पैर, गर्दन आदि अंगों में पाई जाती है। ये पेशियाँ तंत्रिका द्वारा उत्तेजित होती है।

(c). हृद पेशीः-

हृद पेशी हृदय की भित्ति बनाती है। इसमें अनुप्रस्थ धारियाँ पाई जाती है, परन्तु ये स्वभावतः अनैच्छिक होती है। इनमें संकुचन एवं प्रसरण होता रहता है। इनके संकुचन का नियंत्रण तंत्रिका तंत्र के द्वारा न होकर स्वयं पेशियाँ के नियंत्रण द्वारा होता है। इन पेशियों के तंतु लंबे, बेलनाकार, शाखित तथा एककेंद्रीय होते हैं।

नोटः सबसे मज़बूत माँसपेशियाँ जबड़े की होती है।

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES WHEN ONLY THE BEST WILL DO

तंत्रिका ऊतक (Neural Tissue)-

तंत्रिका ऊतक एक विशेष प्रकार की कोशिका से बने होते हैं, जिन्हें तंत्रिका कोशिका या न्यूरोन कहते हैं। ये कोशिकाएँ बहुत शीघ्रता से उत्तेजित होती हैं। मस्तिष्क, मेरुरज्जु और तंत्रिकाएँ सभी तंत्रिका ऊतकों से बनी होती हैं। शरीर के समस्त अंगों व कार्यों में सामंजस्य स्थापित करना इनकी विशेषता है। तंत्रिका कोशिका संवेदना को शरीर के एक भाग से दुसरे भाग में भेजने का कार्य करती है। इस न्यूरॉन में एक लंबा प्रवर्ध होता है, जिसे एक्सॉन कहते हैं।न्यूरॉन में छोटी शाखा वाले अनेक प्रवर्ध भी होते हैं, जिन्हें डेंड्राइट्स कहते हैं। एक तंत्रिका कोशिका । मीटर तक लंबी हो सकती है। तंत्रिका ऊतक से मस्तिष्क एवं मेरुरज्जु बनते हैं ।

- एक न्यूरोन के एक्सॉन के अंतिम छोर की शाखाएँ दूसरे न्यूरोन के डेंड्राइट्स से जुड़कर सिनैप्स बनाती है ।
- मानव मस्तिष्क में लगभग 100 बिलियन(10^{11}) तंत्रिका कोशिकाएँ पाई जाती हैं।
- न्यूरोन तंत्रिका तंत्र की संरचनात्मक तथा क्रियात्मक इकाई होती हैं।

रक्त (Blood)-

रक्त एक तरल "संयोजी ऊतक" है इसकी उत्पत्ति भ्रूण की Masoderm cells से होती है। Blood का pH "7.4" होता है अर्थात क्षारीय होता है मानव शरीर में कुल वजन का "7%" रक्त .....

FREE SAMPLE

नोट – प्रिय पाठकों , यह अध्याय (TOPIC) अभी यहीं समाप्त नही हुआ है यह एक **सैंपल मात्र** है / इसमें अभी और भी काफी कंटेंट पढ़ना बाकी है जो आपको **"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक** – 2026" के इन कम्पलीट नोट्स में पढ़ने को मिलेगा / यदि आपको हमारे नोट्स के सैंपल अच्छे लगे हों तो कम्पलीट नोट्स खरीदने के लिए नीचे

दिए गये ***हमारे संपर्क नंबर पर कॉल करें*** *, हमें पूर्ण विश्वास है कि ये नोट्स आपकी* ***"राजस्थान वनपाल एवं वनरक्षक*** *– 2026" की परीक्षा में पूर्ण संभव मदद करेंगे, धन्यवाद /*

Contact: +91 9887809083

FREE SAMPLE
INFUSION NOTES
WHEN ONLY THE BEST WILL DO

अध्याय - 5

स्वास्थ्य देखभाल एवं मानव रोग

रोग विज्ञान (Pathology) – रोग उत्पन्न करने वाले कारकों की पहचान, उनकी संरचना व रोगों के निदान से सम्बन्धित अध्ययन।

रोग-सामान्य अवस्था में कोई परिवर्तन जो कि असहजता या अक्षमता या स्वास्थ्य में क्षति उत्पन्न करता है।

स्वास्थ्य – व्यक्ति की शारीरिक , मानसिक एंव पूर्णता बिना किसी रोग व दुर्बलता के स्वास्थ्य कहलाता है (WHO-1948) विश्व स्वास्थ्य दिवस-7 अप्रैल

window period:- यह संक्रमण से प्रयोगशाला में संसूचित किए जाने तक का समयान्तराल होता है।

जीवाणु जनित रोग

हैजा

जनक- विब्रियो कॉलेरी

लक्षण -लगातार उल्टी व दस्त होना,पेंशाब बंद, पेट में दर्द, प्यास अधिक , हाथ पैरो में ऐठन, आँखें पीली पड़ जाती है।

होने का कारण- गर्मी व बरसात के दिनों में फैलता है। दूषित भोजन, फल, सब्जी का सेवन तथा मक्खियों द्वारा फैलता है।

बचाव के उपाय हैजे की पेटेन्ट दवा नाइट्रोन्यूग्रेटिक अम्ल की 10 बूंदें व अमृतधारा की 5 बूंदें। नीबू का अधिक सेवन, रोगी के कपड़े को फॉर्मेलीन और कार्बोलिक अम्ल से धोकर सुखाना चाहिए।

हैजा के रोगाणु की खोज रॉबर्ट कोच ने की थी।

FREE SAMPLE

डिप्थीरिया या कंठ रोहिणी

जनक - कोरोनीबैक्टीरियम डिप्थीरिया

लक्षण-श्वास लेने में अवरोध उत्पन्न होना। (अधिकतर बच्चों में)।संक्रमण गले में सफेद मटमैली झिल्ली बनती है वायु मार्ग अवरुध ,सांस में तकलीफ, तंत्रिका तंत्र प्रभावित होता है।

होने का कारण- दूषित फल-सब्जी तथा वायु द्वारा फैलता है।

बचाव के उपाय- बच्चों को डी.पी.टी. का टीका लगवाना चाहिये।

जॉच- शीक टेस्ट (schick test)

डी.पी.टी- डिफ्थीरिया, टिटनेस व कुकर खाँसी -

कोढ़ या कुष्ठ या हेन्सन का रोग

जनक -माइकोबैक्टिरियम लेप्री कुष्ठ के रोगाणु का पता हेनसन ने लगाया।

लक्षण- शरीर की त्वचा की संवेदनशीलता समाप्त हो जाती है चमड़ी में घाव पड़ जाते हैं और चमड़ी गलने लगती हैं।

होने का कारण- रोगी के अधिक सम्पर्क व मक्खियों द्वारा फैलता है।

बचाव के उपाय- एण्टीबायोटिक्स व गंधक का प्रयोग, एण्टीसेप्टिक स्नान आदि भी उपयोगी है।

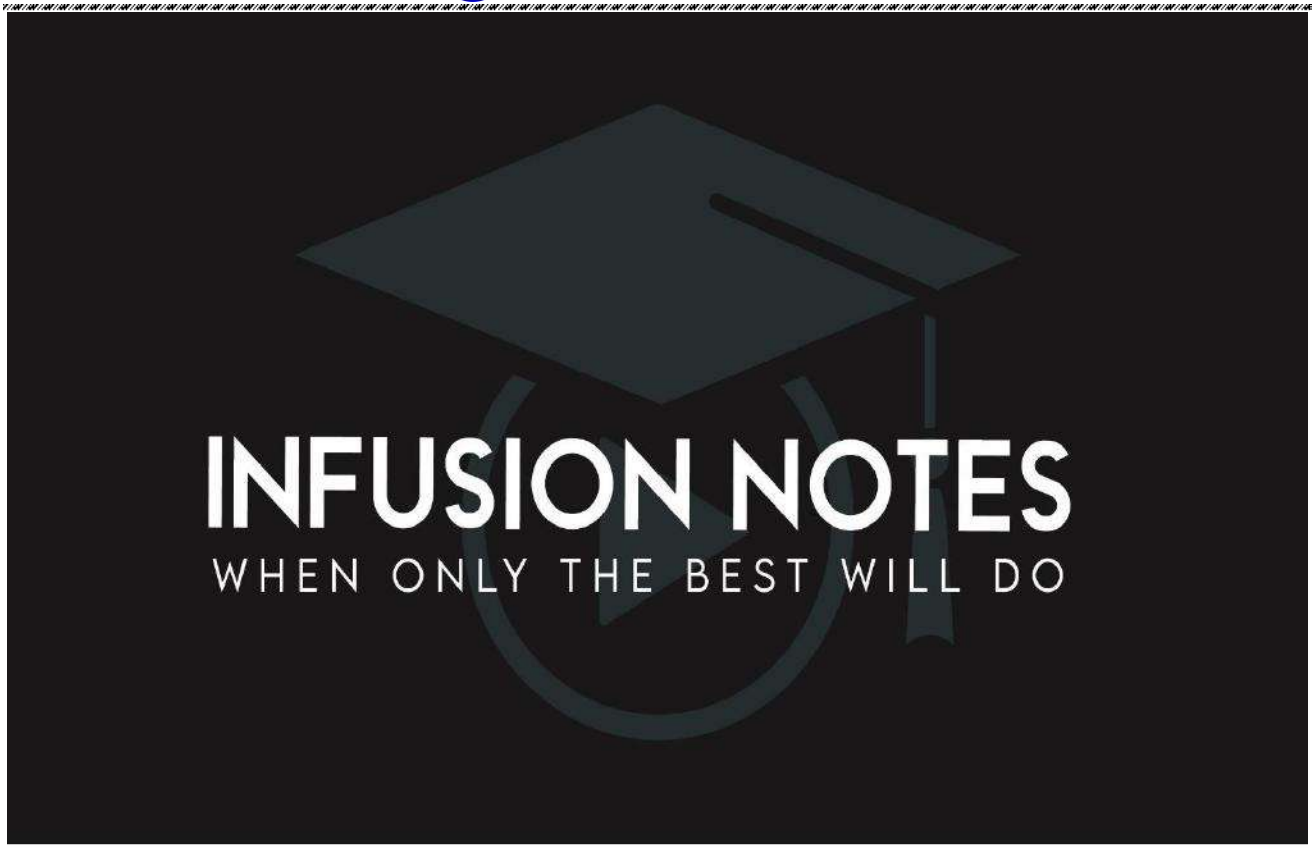
ईलाज-Multi drug therapy 1981 से शुरू । कुष्ठ दिवस- 30 जनवरी

प्लेग (Plague)(Black death)

जनक- बैसिलस पेस्टिस

वाहक-पिस्सु (जिनोपोप्सिला कीओपिस), चूहे, गिलहरी आदि पिस्सुओं .....

FREE SAMPLE



AVAILABLE ON/

+91 9887809083

contact@infusionnotes.com

http://www.infusionnotes.com/